NAAC A+
Accredited University

विश्वविद्यालय : एक नज़र में........

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

अनुक्रम

❖ विश्वविद्यालय- एक परिचय

❖ नवीन पाठ्यक्रम

❖ उत्कृष्ट उपलब्धियां एवं नवाचार

- डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को पहली बार मिला 'ए प्लस' ग्रेड
- एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट क्रियान्वयन
- गौर संग्रहालय
- दिव्यांगजन संसाधन केंद्र
- गौर गौरैया आवसीय परिसर : गौरैया संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय का अभिनव पहल
- योग केंद्र, ध्यान केंद्र एवं योग चिकित्सा केंद्र
- ई-लाइब्रेरी सहित डिजिटल संसाधनों का विकास
- दिल्ली दूरदर्शन द्वारा 'एवेंयूज ऑफ़ एक्सीलेंस' वृत्त चित्र का प्रसारण
- नेटवर्क सुरक्षा, डेटा प्रबंधन क्षमताओं का विस्तार
- मुक्ताकाशी अध्ययन केंद्र
- पुस्तक अध्ययन एवं स्वाध्याय को प्रोत्साहन
- सेन्टर फॉर एडवांस्ड रिसर्च (CAR)
- आधारभूत संरचनाओं का विकास
- गौ-संवर्धन हेतु कामधेनु चेयर की स्थापना एवं शैक्षणिक समझौता
- अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता
- विश्वविद्यालय एवं ग्लोबल पीस फाउंडेशन के साथ अकादमिक समझौता
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ अकादमिक एवं शोध समझौते
- विश्वविद्यालय में विभिन्न केन्द्रों की स्थापना
- भारतीय ज्ञान परंपरा का संरक्षण
- चरित्र निर्माण एवं व्यक्तिव का समग्र विकास, वैदिक अध्ययन विषयक गतिविधियाँ
- भारतीय भाषा, लोक संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण की दिशा में आवश्यक कदम
- सामुदायिक संपर्क एवं जन जागरूकता अभियान
- जेंडर संवेदनशीलता को प्रोत्साहन
- स्वास्थ्य शिविर
- स्वच्छता ही सेवा- परिसर स्वच्छता अभियान एवं सामुदायिक भागीदारी
- फिट इंडिया मूवमेंट
- रैगिंग रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम

❖ समाचारों में विश्वविद्यालय

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

विश्वविद्यालय: एक परिचय

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश में 18 जुलाई 1946 को विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित एक शैक्षिक संस्थान है, जिसका परिसर लगभग 1300 एकड़ में फैला हुआ है। इसे 15 जनवरी 2009 को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया गया और चौथे चक्र में इसे NAAC द्वारा 'A+' ग्रेड (3.38 स्कोर) प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय 11 स्कूलों के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल स्तर पर बहुविध शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें उत्कृष्ट अवसंरचना और शिक्षण के लिए अभिनव दृष्टिकोण अपनाया गया है। विश्वविद्यालय में उन्नत और परिष्कृत उपकरणों से लैस प्रयोगशालाएँ हैं, जो गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देती हैं। अधिकांश विभागों को UGC, DST, ICMR, MPCST और अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों से परियोजना निधियाँ प्राप्त हैं। कुछ विभाग UGC और DST के DRS, PURSE और FIST कार्यक्रमों के तहत मान्यता प्राप्त केंद्र भी हैं। GIAN योजना के तहत, विदेशों से प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को आमंत्रित किया जाता है ताकि वे छात्रों को अपने संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम विकास से अवगत करा सकें।

CBCS (चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम) का कार्यान्वयन छात्रों को शिक्षण और अध्ययन के नवीनतम पैटर्न तक पहुँच प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा विभाग और दृश्य कला एवं प्रदर्शन कला विभाग क्रमशः छात्रों को खेल प्रशिक्षण गतिविधियाँ और सांस्कृतिक गतिविधियाँ प्रदान करते हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को शैक्षिक कैलेंडर में विशिष्ट समय-सारणी में रखा गया है। छात्र नियमित रूप से विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिनिधित्व करते हैं और गर्व से जीत प्राप्त करते हैं। विभागीय पुस्तकालयों के अलावा, विश्वविद्यालय में एक केंद्रीय पुस्तकालय है, जिसमें लगभग चार लाख पुस्तकें, ई-पुस्तकें और ई-जर्नल्स हैं। INFLIBNET और DELNET कार्यक्रमों के तहत, छात्र और संकाय साहित्य के महत्वपूर्ण स्रोतों तक पहुँच सकते हैं। विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi सक्षम है।

छात्रों को एक सुरक्षित और समर्पित गुरुकुल जैसी शैक्षिक माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में छात्रों और छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल हैं जिनमें विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों से लेकर डॉक्टोरल स्तर तक के विद्यार्थी रहकर पढ़ाई करते हैं. इसके अतिरिक्त, योग और ध्यान केंद्र, स्टेडियम, जिमनैजियम, खेल परिसर, मैदान और ओपन थिएटर जैसी सुविधाएँ भी छात्रों की अतिरिक्त पाठ्यक्रम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय में पर्याप्त संख्या में सक्षम, समर्पित और प्रशिक्षित फैकल्टी सदस्य हैं, जो छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करते हैं। पाठ्यक्रम अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए हैं और वर्तमान युग की मांगों के अनुरूप हैं। शिक्षक, शिक्षण और सीखने के नवीन तरीकों को विकसित करने में संलग्न है, जिसका सहयोग विश्वविद्यालय के अंदर स्थित शैक्षिक मल्टी-मीडिया रिसर्च सेंटर (EMMRC) से है। UGC, नई दिल्ली के संरक्षण में, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (पूर्व में UGC-मानव संसाधन विकास केंद्र) संकाय के लिए ओरिएंटेशन और रिफ्रेशर कार्यक्रम आयोजित करता है। हाल ही में, विश्वविद्यालय परिसर में एक डे केयर सेंटर की स्थापना की गई है। उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक माहौल बनाने और छात्रों को उनके शैक्षिक प्रयासों में उत्कृष्टता के प्रति प्रेरित करने के लिए, विश्वविद्यालय विविध पाठ्यक्रमों के साथ-साथ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय में एक संस्थान है जो दूरस्थ शिक्षा (IDE) प्रदान करता है, जिससे हमारे छात्र नियमित PG/Ph.D. कार्यक्रमों के साथ PG डिप्लोमा पाठ्यक्रम कर सकते हैं, जो उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाता है। B.Tech. कार्यक्रम भी संस्थान ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के तहत छह ट्रेड में उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय को पिछले सात दशकों में उन अनेक शिक्षाविदों, प्रशासकों, न्यायधीशों, दार्शनिकों, लेखकों, कवियों, आलोचकों और कलाकारों पर गर्व है जिन्होंने अपने मातृ संस्थान को गौरवान्वित किया है। हम शैक्षिक उत्कृष्टता और सामाजिक रूप से प्रासंगिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि समकालीन शैक्षिक मानकों को प्राप्त किया जा सके।

शैक्षिक कार्यक्रम

UG (स्नातक)- B.A., B.A. B.Ed (4 वर्षीय एकीकृत), B.Sc., B.Sc. B.Ed (4 वर्षीय एकीकृत) (बायो और मैथ्स), B.Com, B.B.A, L.L.B. (3 वर्षीय/6 सेमेस्टर), B.A.L.L.B. (ऑनर्स), B.C.A, B.Pharma, B.Lib.I.Sc, BA(JMC), B.F.A. (बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स), B.Tech (कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग), B.Tech (एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग), B.Tech (डेयरी इंजीनियरिंग), B.Tech (फैशन और एपरेल), B.Tech (फूड इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी), B.Tech (इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग), B.P.E.S. (बैचलर इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स), BHM (बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट), B.A. B.Ed (ITEP), B.Sc. B.Ed (ITEP), B.Com. B.Ed. (ITEP).

PG (स्नातकोत्तर)- M.Lib.I.Sc., M.A. संगीत, MA(JMC), M.A. प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व, M.A. अर्थशास्त्र, M.A. इतिहास, M.A. दर्शनशास्त्र, M.A. राजनीति विज्ञान, M.A. लोक प्रशासन, M.A. मानसिक विज्ञान, M.Sc. मानसिक विज्ञान, MSW, M.A. अंग्रेजी, M.A. हिंदी, M.A. भाषाविज्ञान, M.A. संस्कृत, M.A. उर्दू, M.A. मानवशास्त्र, M.A. अपराधशास्त्र, M.A. गणित, M.A. समाजशास्त्र, M.Sc. मानवशास्त्र, M.Sc. फॉरेंसिक साइंस, M.A. भूगोल, M.Sc. भूगोल, M.Pharma, M.Tech. (एप्लाइड जियोलॉजी), M.Sc. माइक्रोबायोलॉजी, M.Sc. बायोटेक्नोलॉजी, M.Sc. बॉटनी, M.Sc. जूलॉजी, M.Sc. गणित, M.Sc. भौतिकी, MCA, M.Com, MBA, MBA (हेल्थकेयर और हॉस्पिटल मैनेजमेंट), MBA (यात्रा और पर्यटन प्रबंधन), MBA (वित्तीय प्रबंधन), MBA (मार्केटिंग प्रबंधन), MBA (मानव संसाधन प्रबंधन), LL.M., M.A. योग शिक्षा, M.Sc. योग शिक्षा, M.Sc. पर्यावरण विज्ञान, M.A. ग्रामीण विकास, M.Ed., M.Sc. रसायन विज्ञान, M.Sc. सांख्यिकी, M.P.A. (मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स), M.A. शिक्षा

Ph.D. (डॉक्टरेट)

फार्मेसी, एप्लाइड जियोलॉजी, प्रबंधन, कंप्यूटर साइंस, वाणिज्य, शिक्षा, पुस्तकालय विज्ञान और सूचना विज्ञान, पत्रकारिता और जनसंचार, विधि, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू और फारसी, भाषाविज्ञान, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, इतिहास, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व, दर्शनशास्त्र, मानसिक विज्ञान, भूगोल, वयस्क शिक्षा, योग शिक्षा, मानवशास्त्र, अपराधशास्त्र, गणित, समाजशास्त्र, भौतिकी, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, बॉटनी, रसायन विज्ञान, फॉरेंसिक साइंस, संगीत, फाइन आर्ट्स, परफॉर्मिंग आर्ट्स (थियेटर आर्ट्स), प्रौढ शिक्षा, वैदिक अध्ययन.

NAAC A+ Accredited University

परिसर

विश्वविद्यालय में 1300 एकड़ से अधिक भूमि पर फैला हुआ एक हरा-भरा और पर्यावरण-अनुकूल परिसर है, जिसमें प्रभावी शिक्षा और अध्यापन के लिए सभी सुविधाएं हैं, जो एक आदर्श शैक्षिक वातावरण के लिए समग्र रूप से सुखद और सहायक हैं। विश्वविद्यालय का परिसर पौधों और जीवों से समृद्ध है, यहां 700 से अधिक पौधों की प्रजातियाँ, विभिन्न प्रकार के स्तनधारी, सरीसृपों की प्रजातियाँ और अनगिनत पक्षियों और कीटों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

केंद्र

• सामाजिक विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र (TLCSS)	• वैदिक अध्ययन केंद्र
• मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC)	• भोज क्षेत्रीय केंद्र
• उन्नत शोध केंद्र (CAR)	• इण्डो-कैनेडियन केंद्र
• शैक्षिक मल्टीमीडिया रिसर्च सेंटर (EMRC)	• पांडुलिपि संसाधन केंद्र
• जनसंख्या शोध केंद्र (PRC)	• डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (DACE)
• स्वदेशी ज्ञान पर अध्ययन केंद्र	• इंटरनेशनल सेल
• पैरामेडिकल विज्ञान कॉलेज	• कम्युनिटी कॉलेज
• दिव्यांगजन लर्निंग रिसोर्स सेंटर	• डॉ. अंबेडकर चेयर

प्रकोष्ठ

• राजभाषा प्रकोष्ठ	• स्टार्ट-अप सेल
• आईटी सेल	• SEDG's सेल
• SC/ST/OBC सेल	• NCC
• प्लेसमेंट सेल	• NSS

संरचना

• शैक्षिक विभाग- 39	• अकादमिक पीठ- 03
• आवासीय क्वार्टर/फ्लैट्स- 245	• Wi-Fi परिसर
• औषधीय/वनस्पति उद्यान- 05	• ICT सक्षम कक्षाएं
• संग्रहालय/गैलरी- 08	• सुपर कंप्यूटर
• छात्रावास- 7	• पुस्तकालय (04 लाख पुस्तकें)

सुविधाएं

• डे केयर सेंटर	• हैप्पीनेस सेंटर
• जिमनेजियम और योग सुविधाएं	• बैंक और ATM
• स्वास्थ्य केंद्र	• पोस्ट ऑफिस
• फिजियोथेरेपी केंद्र	• केंद्रीय विद्यालय
• योग चिकित्सा केंद्र	• सुसज्जित ऑडिटोरियम
• इंडियन कॉफी हाउस	• परामर्श केंद्र

विगत वर्षों की प्रमुख उपलब्धियाँ

- NAAC द्वारा 4th चक्र में A+ ग्रेड से मान्यता प्राप्त
- NIRF में विश्वविद्यालय रैंक 39 (2016)
- फार्मास्युटिकल विज्ञान विभाग NIRF द्वारा 11वां स्थान (2017)
- BRICS विश्वविद्यालयों में 124वां स्थान (2018)
- UI ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी में 481वां रैंक (2022)
- QS एशिया 2021 में 351-400 रैंक
- माननीय कुलपति और 06 से अधिक फैकल्टी सदस्य विश्व के टॉप 02% वैज्ञानिकों में शामिल
- माननीय कुलपति भारत में शिक्षा क्षेत्र की टॉप 50 शक्तिशाली महिलाओं में शामिल
- ABC को लागू करने के लिए माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा पुरस्कार
- फार्माकोलॉजी में टॉप 10 शैक्षिक संस्थान में शामिल
- बायोटेक्नोलॉजी में शोध भारत में 17वां रैंक
- बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में शोध भारत में 25वां रैंक
- नैनोटेक्नोलॉजी में शोध भारत में 33वां रैंक
- बायोइंफोर्मेटिक्स और कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी में शोध भारत में 16वां रैंक
- विषाणु विज्ञान में शोध भारत में 22वां रैंक
- बायोफिजिक्स में शोध भारत में 26वां रैंक
- कॉस्मेटोलॉजी में शोध भारत में 13वां रैंक
- मानसिक चिकित्सा में शोध भारत में 18वां रैंक
- रसायन इंजीनियरिंग, माइक्रोबायोलॉजी, एंटोमोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और कैंसर शोध, न्यूरोसाइंस, जनेटिक्स, रेडिएशन थैरेपी, प्लास्टिक सर्जरी, इम्यूनोलॉजी, एनेस्थेसियोलॉजी में शोध- टॉप 50 में शामिल

अन्य शैक्षिक पहल

- 'अर्न व्हाइल यू लर्न'- विश्वविद्यालय सफलतापूर्वक 'अर्न व्हाइल यू लर्न' योजना चलाता है, जो छात्रों को उनके नियमित अध्ययन के साथ-साथ हैंड्स ऑन प्रैक्टिस और वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।
- विश्वविद्यालय UGC-CARE सूचीबद्ध जर्नल 'मध्य भारती' और 'नाट्यम' प्रकाशित करता है।

प्रसिद्ध पुरा छात्र

- डॉ. वीरेंद्र कुमार, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, भारत सरकार
- श्री गोपाल भार्गव, पूर्व कैबिनेट मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, विधायक
- श्री भूपेंद्र सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री, पूर्व सांसद (सागर), विधायक
- श्री गोविंद सिंह राजपूत, कैबिनेट मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार

- श्री सुरेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री (म.प्र.)
- पद्मश्री कृष्ण कुमार, पूर्व निदेशक एनसीईआरटी नई दिल्ली
- पद्मश्री कपिल तिवारी, प्रसिद्ध लेखक और विचारक
- पद्मश्री प्रो. हरकिशन सिंह, प्रसिद्ध वैज्ञानिक
- माननीय न्यायमूर्ति सत्यश चंद्र शर्मा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय और तेलंगाना उच्च न्यायालय, वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश, 1984 में LL.B. में टॉपर
- माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल, अतिरिक्त न्यायधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, 1988 में LL.B.
- प्रो. आर. पी. तिवारी, पूर्व कुलपति डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.), कुलपति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा
- प्रो. आर. एन. यादव, कुलपति, पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया, बिहार
- प्रो. मृणालिनी फडनवीस, कुलपति, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
- प्रो. के. एल. श्रीवास्तव, कुलपति जोधपुर विश्वविद्यालय, राजस्थान
- प्रो. आर. एल. रैना, कुलपति, जयपुर नेशनल विश्वविद्यालय, जयपुर
- प्रो. शैलेन्द्र साराफ, पूर्व कुलपति, दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग
- प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- प्रो. सी. के. कोकाटे, पूर्व कुलपति 4 विश्वविद्यालयों के, पूर्व PCI और AIU के अध्यक्ष
- आचार्य रजनीश ओशो
- श्री कमला प्रसाद, प्रसिद्ध आलोचक और संपादक
- श्री उदय प्रकाश, साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता
- डॉ. डी. के. सिन्हा, पूर्व निदेशक AMD (BARC)
- डॉ. पी. एस. परिहार, पूर्व निदेशक AMD (BARC)
- श्री एन. के. दत्ता, पूर्व DG GSI
- श्री मुकेश तिवारी (फिल्म अभिनेता)
- श्री आशुतोष राणा (फिल्म अभिनेता)
- श्री संजय श्रीवास्तव (अभिनेता) NSD
- श्री महेंद्र मेवाती (अभिनेता) NSD
- श्री संगीत श्रीवास्तव (अभिनेता) NSD, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता
- श्री प्रशांत परमार (अभिनेता) NSD
- श्री श्रीवर्धन त्रिवेदी (अभिनेता) NSD
- प्रो. रविंद्र पांडे, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, USA
- डॉ. गंगेश पांडे, शोध अधिकारी, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली

नवीन पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को समाहित करते हुए विभिन्न कौशल विकास, मूल्य आधारित एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गये हैं जो सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

- विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी की स्थापना कर इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी के छह AICTE मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम (**कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, डेयरी इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, फैशन एंड अपैरल डिजाइनिंग** और **फूड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी**) संचालित किए जा रहे हैं।
- विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के अंतर्गत AICTE मान्यता प्राप्त **हेल्थ केयर एण्ड हास्पिटल मैनेजमेंट, होटल मैनेजमेंट एण्ड केटरिंग** तथा **टेवल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेंट** प्रारंभ किये गये हैं।
- कम्युनिटी कॉलेज द्वारा प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत **'स्किल हब इनीशिएटिव'** प्रोग्राम के तहत 'वर्मीकम्पोस्ट प्रोडूसर' (वर्ष 2022) तथा ऑफिस असिस्टेंट पाठ्यक्रम (वर्ष 2023) संचालित किए गए।
- कम्युनिटी कॉलेज में कौशल शिक्षा प्रदान करने हेतु 19 पाठ्यक्रम संचालित हैं। **योगा एण्ड वैलनेस, इंटीरियर डिजाइनिंग** तथा **क्ले एण्ड पिरामिड आर्ट** तीन नए स्किल पाठ्यक्रम प्रारम्भ भी किए गए हैं।
- विश्वविद्यालय के खेल शिक्षा विभाग में **बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्ट्स** पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है।
- विश्वविद्यालय ने कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से भी तथा इस वर्ष से **3 नवीन पाठ्यक्रम** प्रारंभ किए गए हैं।
- प्रथम बार समर स्किल्स के अंतर्गत छह कौशल विकास पाठ्यक्रम (**IT skills, Health & Fitness, Performing Arts** (Folk instrument and Vocal), **Light Music, Classical Instruments** (Flute & Sitar), **Agro Based Learning** (Compositing & Terrace Forming), **Digital Skills** (Photography & Videography) प्रारंभ किए गए हैं।
- अध्यापक शिक्षण को आगे बढ़ाते हुए NCTE द्वारा मान्यता प्राप्त **ITEP पाठ्यक्रम** प्रारम्भ किया गया है।
- भारतीय ज्ञान पद्यति के संरक्षण विकास और भारतीय संस्कृति का पाठ्यक्रमों में समावेशन के उद्देश्य से **वैदिक गणित** में छह माह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का प्रारम्भ।
- **वैदिक अध्ययन में स्नातक एवं पी-एचडी पाठ्यक्रम** का प्रारम्भ।
- अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषाएँ विभाग में तीन नए पाठ्यक्रम **बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी साहित्य, फ्रेंच** एवं **जर्मन में डिप्लोमा** प्रारंभ किए गए हैं।
- संचार एवं पत्रकारिता विभाग में **बी.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार (3 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम)** प्रारंभ किया गया है।

- अर्थशास्त्र विभाग में **श्रम अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है।
- कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग विभाग में **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा एनालिटिक्स में एम.एससी.** पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है।
- ललित कला और प्रदर्शन कला विभाग में तीन नए पाठ्यक्रम **थिएटर संगीत (सर्टिफिकेट कोर्स), शास्त्रीय भारतीय नृत्य कथक (सर्टिफिकेट कोर्स)** एवं **कला इतिहास और सौंदर्यशास्त्र (सर्टिफिकेट कोर्स)** प्रारंभ किए गए हैं।
- प्राणीशास्त्र विभाग में दो नए पाठ्यक्रम **एकीकृत कीट प्रबंधन (सर्टिफिकेट कोर्स)** एवं **मधुमक्खी पालन (अल्पकालिक पाठ्यक्रम)** प्रारंभ किए गए हैं।
- वैदिक अध्ययन विभाग में **वैदिक गणित में डिप्लोमा (एक वर्ष)** पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है।
- संगीत विभाग में दो नए पाठ्यक्रम **बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स - हिंदुस्तानी वोकल म्यूजिक** एवं **बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स - तबला - परकशन** प्रारंभ किए गए हैं।
- इन्स्टीट्यूट ऑफ़ पैरामेडिकल साइंसेज में नए पाठ्यक्रम स्वीकृत किए गए हैं जो शीघ्र संचालित होंगे।
  - ✓ **डिप्लोमा इन ऑक्यूपेशनल थेरेपी**
  - ✓ **डिप्लोमा इन न्यूट्रीशन**
  - ✓ **डिप्लोमा इन हेल्थ एन्ड सैनिटेशन**
  - ✓ **सर्टीफिकेट कोर्स इन फर्स्ट एड**
  - ✓ **सर्टीफिकेट कोर्स इन बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट**
  - ✓ **सर्टीफिकेट कोर्स इन क्लिनिकल एंड थेरेप्यूटिक न्यूट्रीशन**

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को पहली बार मिला 'ए प्लस' ग्रेड

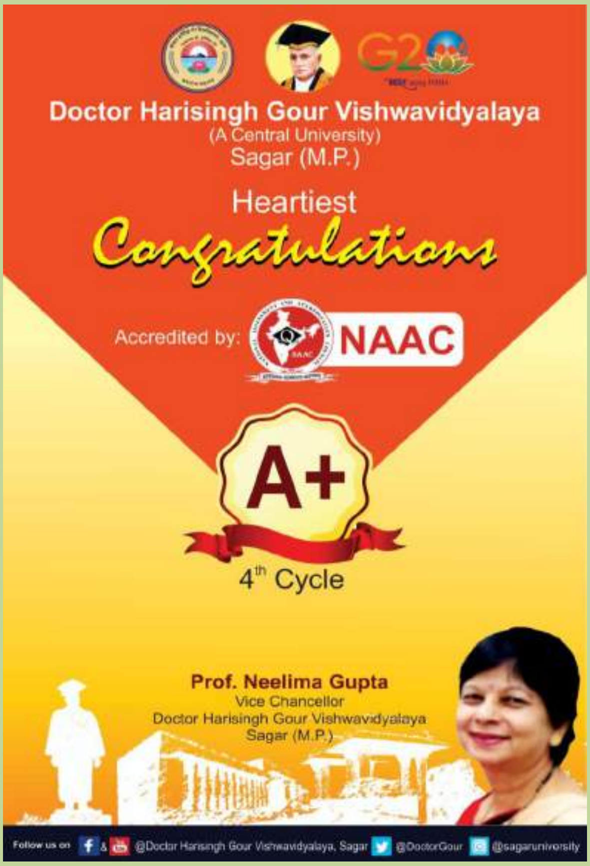

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए प्लस' ग्रेड प्रदान किया गया है. विश्वविद्यालय में चौथे चक्र का नैक मूल्यांकन संपन्न हुआ था. पहले के तीन चक्रों के मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को ए ग्रेड हासिल हुआ था. 'ए प्लस' ग्रेड प्राप्त होने में विश्वविद्यालय में क्रियान्वित कई नवाचारी कार्यों एवं गतिविधियों का लाभ मिला है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, अंतर अनुशासनिक शोध, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शोध के आधुनिक लैब एवं उपकरण, गवर्नेंस और लीडरशिप, वैल्यूज एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस, नवीन पाठ्यक्रम आदि में सर्वोत्कृष्ट है. इको फ्रेंडली परिसर, प्रदूषण रहित कैम्पस का हरा-भरा वातावरण, एक्स्ट्राकरीकुलर गतिविधियाँ, छात्रों का संतोषजनक फीडबैक, अकादमिक साझेदारी, कंसल्टेंसी, विभिन्न शोध योजनाओं जैसे सैप, पर्स के तहत चल रही शोध गतिविधियाँ, शोध-पत्रों एवं शिक्षकों की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता आदि के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट क्रियान्वयन

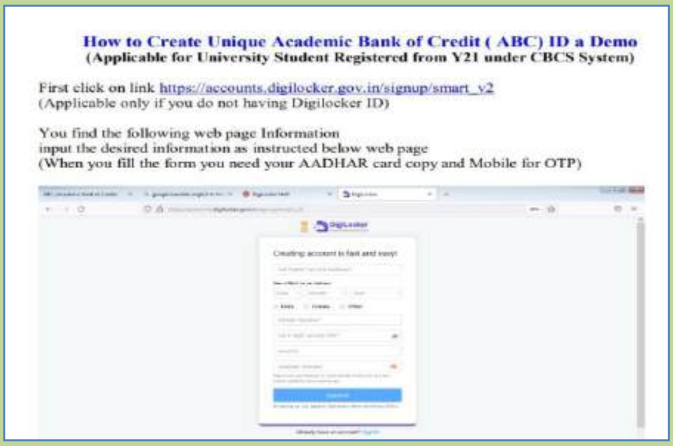
How to Create Unique Academic Bank of Credit (ABC) ID a Demo
(Applicable for University Student Registered from Y21 under CBCS System)

First click on link https://accounts.digilocker.gov.in/signup/smart_v2
(Applicable only if you do not having Digilocker ID)

You find the following web page Information
input the desired information as instructed below web page
(When you fill the form you need your AADHAR card copy and Mobile for OTP)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर विद्यार्थियों के अकादमिक रिकॉर्ड को डिजिटली उपलब्ध कराने वाला देश का अग्रणी संस्थान है। इस उपलब्धि के लिए नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. धर्मेन्द्र प्रधान ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सम्मानित भी किया है. शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'वन स्टूडेंट-वन आईडी'-अपार आईडी लांच किया गया है और विश्वविद्यालय ने इसके लिए नैड (NAD) प्रकोष्ठ स्थापित किया है. एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के बारे में और इसके लाभ प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के लिए कई उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के प्रति जागरूकता हेतु विश्वविद्यालय की ईएमआरसी द्वारा बनाई गई दो फिल्मों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

गौर संग्रहालय

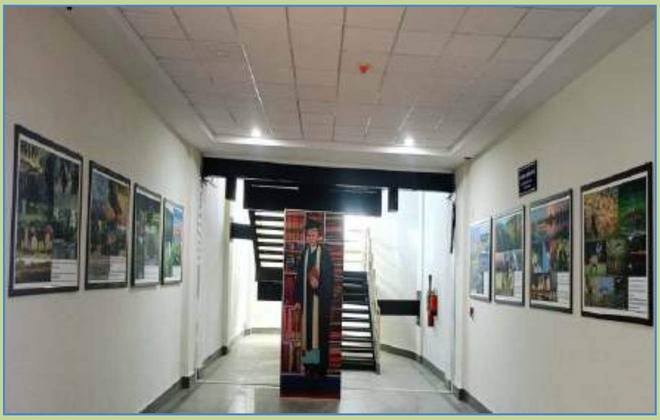

विश्वविद्यालय में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय स्थापित किया गया है. इसमें विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट एवं जानकारियाँ, मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित भूगर्भशास्त्रीय जानकारियाँ एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया गया है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

दिव्यांगजन संसाधन केंद्र

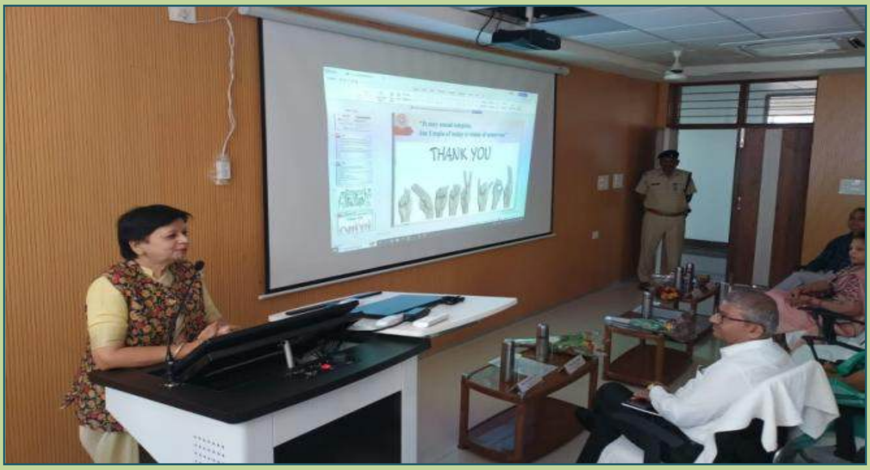

विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र की स्थापना की गई है. इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाईस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

गौर गौरैया आवसीय परिसर : गौरैया संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय का अभिनव पहल

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के सांस्कृतिक परिषद् के तत्त्वावधान में प्रकृति संरक्षण की दिशा में अभिनव प्रकल्प के तहत महर्षि पतंजलि भवन परिसर की रिटेनिंग वॉल की पाइप में गौरैया आवास प्रकल्प संचालित है. मनुष्य के अस्तित्व के लिए भी जैव-विविधता का होना जरूरी है. जैव-विविधता रहेगी तो प्रकृति भी बचा रहेगा और हम मनुष्य भी बचे रहेंगे. पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई से पक्षियों का आशियाना ख़त्म होता जा रहा है जिससे पारिस्थितिकीय असंतुलन की स्थिति बन रही है और जैव-विविधता घट रही है. गौरैया संरक्षण की दिशा में इस अभिनव पहल के साथ ही पक्षियों की नियमित निगरानी और इनकी बढ़ती हुई संख्या पर शोध-अध्ययन भी होंगे. विश्वविद्यालय में विश्व गौरैया दिवस पर कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

योग केंद्र, ध्यान केंद्र एवं योग चिकित्सा केंद्र

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिक समाज के बेहतर स्वास्थ्य के उद्देश्य से योग केंद्र, ध्यान केंद्र एवं योग चिकित्सा केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है जिसमें निःशुल्क सेवायें प्रदान की जाती हैं. जनसाधारण हेतु इन विषयों से सम्बंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित हैं जो शीघ्र ही प्रारम्भ किये जायेंगे.

NAAC A+ Accredited University

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

ई-लाइब्रेरी सहित डिजिटल संसाधनों का विकास

विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में पुस्तकों का आगत-निर्गत ऑनलाइन पद्धति से किया जा रहा है. पुस्तकों की सुरक्षा के लिए आरएफआईडी तकनीक का उपयोग करते हुए सभी पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों की जानकारी ऑनलाइन सिस्टम पर अपलोड कर दिया गया है। विवि में उपलब्ध पुस्तकों के बारे में जानकारी ऑनलाइन प्राप्त हो रही है और लाइब्रेरी में उपलब्ध ई सामग्री भी को भी विद्यार्थी एवं शिक्षक एक्सेस कर सकते हैं. लाइब्रेरी ऑटोमेशन के साथ ही विश्वविद्यालय के साथ-साथ पूरी दुनिया के अध्येता हमारी समृद्ध लाइब्रेरी में उपलब्ध ज्ञान संपदा से परिचित हो सकेंगे और इसका लाभ भी ले सकेंगे।

NAAC A+
Accredited University

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

दिल्ली दूरदर्शन द्वारा 'एवेंयूज ऑफ़ एक्सीलेंस' वृत्त चित्र का प्रसारण

दिल्ली दूरदर्शन द्वारा प्रसारित 'एवेंयूज ऑफ़ एक्सीलेंस' (Avenues of Excellence) विषय पर आयोजित कार्यक्रम में यू.जी.सी. की नीति के तहत देश के चुनिन्दा विश्वविद्यालयों की विशेषताओं को देश भर में प्रसारित कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को रेखांकित किया गया जिसके तहत डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट उपलब्धियों पर आधारित वृत्तचित्र का राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन किया गया.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

नेटवर्क सुरक्षा, डेटा प्रबंधन क्षमताओं का विस्तार

विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक फायरवॉल, सर्वर, वाई-फाई-6 और कोर स्विचेज का सफलतापूर्वक इन्स्टालेशन किया गया है. विश्वविद्यालय की आईटी सेल द्वारा संचालित उन्नत उपकरणों में नवीनतम तकनीक से युक्त फायरवॉल, सर्वर और कोर स्विचेस लगाए गये हैं जो विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के लिए नेटवर्क सुरक्षा, डेटा प्रबंधन क्षमताओं को बेहतर कर रहे हैं. बनाएंगे. साइबर हमले से रक्षा, नेटवर्क में अनचाहे नेटवर्क ट्रॉफिक की रोकथाम, सर्वर इत्यादि की उपलब्धता डेटा प्रोसेसिंग और स्टोरेज क्षमताओं को समृद्ध करते हुए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सुचारू संचालन किया जा रहा है. विश्वविद्यालय में 400 से अधिक वाई-फाई एक्सिस प्वाइंट्स संचालित हैं जिनकी मानिटरिंग भी अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर द्वारा की जा रही है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

मुक्ताकाशी अध्ययन केंद्र

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय परिसर में विद्यार्थियों के पठन-पाठन हेतु मुक्ताकाशी अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है. मुक्ताकाशी अध्ययन केंद्र में विद्यार्थी सामूहिक रूप से स्वच्छ वातावरण में बैठ कर अध्ययन कर सकेंगे. केंद्र का भ्रमण करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी, श्री अशोक कडेल, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. भारत व्यास एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए ऐसे नवाचारी केंद्रों की संरचना को बेहतर बनाने के उपाय बताये.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

पुस्तक अध्ययन एवं स्वाध्याय को प्रोत्साहन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में केंद्रीय पुस्तकालय एवं सांस्कृतिक परिषद् के तत्त्वावधान में विश्व पुस्तक दिवस एवं कॉपीराईट दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पुस्तक वाचन करते हैं. इस पहल का उद्देश्य पुस्तक अध्ययन एवं स्वाध्याय को प्रोत्साहन देना है. पुस्तकें हमारी आजीवन मित्र होती हैं. पुस्तक को किसी भी अन्य सामग्री से स्थानांतरित नहीं किया जा सकता क्योंकि पुस्तकें सभ्यता की सबसे प्रमाणिक प्रतिबिंब हैं.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

सेन्टर फॉर एडवांस्ड रिसर्च (CAR)

विश्वविद्यालय में आठ 'सेन्टर फॉर एडवांस्ड रिसर्च' (CAR) संचालित हैं जिनमें अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से वैज्ञानिक शोध एवं प्रशिक्षण कार्यशालाएं नियमित तौर पर आयोजित की जाती हैं.

NAAC A+ Accredited University

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

आधारभूत संरचनाओं का विकास

विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, अपराधशास्त्र एवं न्यायिक विज्ञान, ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के नवीन भवनों का उपयोग प्रारम्भ हो गया है. पर्यावरण विज्ञान विभाग, संचार एवं पत्रकारिता विभाग, स्वदेशी अध्ययन केंद्र, विज्ञान की एकीकृत प्रयोगशाला, फार्मेसी विभाग के नवीन भवन बनकर उपयोग के लिए तैयार हैं. अंग्रेजी एवं यूरोपीय विभाग का विस्तारित भवन शीघ्र ही बनकर तैयार होने जा रहा है. नवनिर्मित सरस्वती बालिका छात्रावास और आर्यभट्ट बालक छात्रावास विद्यार्थियों के लिए उपयोग में लाया जा रहा है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

गौ-संवर्धन हेतु कामधेनु चेयर की स्थापना एवं शैक्षणिक समझौता

गौ संपदा से निर्मित उपयोगी वस्तुओं की कार्यशाला

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना की गई है. विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र की स्थापना करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है. गौ संवर्धन, दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं से समझने के उद्देश्य से इस पीठ की स्थापना की गई है. विश्वविद्यालय में डेयरी टेक्नोलॉजी का पाठ्यक्रम भी संचालित है.

इस पीठ के माध्यम से अकादमिक पाठ्यक्रम एवं शोध, भारतीय ज्ञान परम्परा का संरक्षण, स्वदेशी ज्ञान का प्रसार, आउटरीच गतिविधि, गौ संपदा से बनने वाले उत्पाद, औषधियां एवं ऐसे कई क्षेत्रों में कार्य किये जाने की प्रक्रिया संचालित है जो देशज आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी होगा.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में भारतीय सेना के महार रेजीमेंट और विश्वविद्यालय के बीच अकादमिक समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये गये हैं. इसका उद्देश्य महार रेजीमेंट के अधिकारियों, सैनिक, अग्निवीर और उनके परिवारजनों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता का उन्नयन है. इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न डिग्री एवं डिप्लोमा, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है. कम्युनिटी कॉलेज के माध्यम से संचालित सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन और सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में प्रवेश दिया गया है. दोनों पाठ्यक्रमों में अभी 487 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया है. अग्निवीरों का प्रवेश लगातार जारी है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

विश्वविद्यालय एवं ग्लोबल पीस फाउंडेशन के साथ अकादमिक समझौता

केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय एवं ग्लोबल पीस फाउंडेशन के साथ अकादमिक एवं शैक्षणिक समझौता संपन्न हुआ. समझौता पत्रक पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं डॉ. मार्कंडेय राय ने हस्ताक्षर किये. इस साझेदारी का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शांति निर्माण और नेतृत्व विकास जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है. इसके तहत फाउंडेशन द्वारा पीस लीडर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य अकादमिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. इस अवसर पर कुलपति ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय में एक शांति केंद्र की शुरुआत की जायेगी. इसी क्रम में विश्वविद्यालय में 'शांति और नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम' का भी आयोजन किया गया.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ अकादमिक एवं शोध समझौते

विश्वविद्यालय में अकादमिक एवं शोध गति को अग्रसर बनाने के उद्देश्य से प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिनाम संस्थानों के साथ शैक्षणिक समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं जिसका लाभ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हुआ है। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में विभिन्न केंद्र एवं अकादमिक पीठ भी स्थापित किए गए हैं.

NAAC A+ Accredited University

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

विश्वविद्यालय में विभिन्न केन्द्रों की स्थापना

वैदिक गणित केंद्र

डे केयर सेंटर

ध्यान एवं योग केंद्र

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

भारतीय ज्ञान परंपरा का संरक्षण

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में 'वैदिक वाङ्मय में विज्ञान' विषय पर त्रिदिवसीय अखिलभारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसे यज्ञीय अनुष्ठान से विधिपूर्वक प्रारंभ किया गया। वेद विज्ञान से संबंधित विषय आयुर्वेद, ज्योतिष, जन्तुविज्ञान के वर्गीकरण, मत्स्यपालन, मधुमक्खीपालन आदि कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त कर भारतीय सभ्यता व संस्कृति से छात्र- छात्राओं को अवगत कराया गया. भारतीय ज्ञान परंपरा और वैदिक अनुष्ठानों के महत्त्व को प्रदर्शित करती इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित हो रहे हैं.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

चरित्र निर्माण एवं व्यक्तिव का समग्र विकास, वैदिक अध्ययन विषयक गतिविधियाँ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास पर राष्ट्रीय कार्यशालाओं एवं शोध संगोष्ठी का आयोजन लगातार किया जा रहा है. भारतीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित रखने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में वैदिक अध्ययन विभाग की स्थापना की गई है जिसमें डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, डिग्री एवं शोध पाठ्यक्रम संचालित हैं. भारत की प्राचीन संस्कृति, ज्ञान की वास्तविकता और अखंडता को जानने-समझने का यह अभिनव केंद्र है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप इस विभाग का प्रमुख उद्देश्य कला, विज्ञान एवं वाणिज्य जैसी विभाजक धाराओं से परे अन्तर्वैषयिक (Interdisciplinary) एवं बहुवैषयिक (Multidisciplinary) समझ को विकसित करना, भारतीय ज्ञान को तार्किक एवं वैज्ञानिक रूप से स्थापित करके वैश्विक समस्याओं का निदान प्रस्तुत करना है.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

भारतीय भाषा, लोक संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण की दिशा में आवश्यक कदम

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्वविद्यालयो एवं संस्थानों में दीक्षांत समारोहों में भारतीय परम्पराओं का पालन' विषय पर अभातशिप सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई. जिसमें डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विगत दिनों आयोजित किये गए विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की कुछ झलकियाँ प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय परंपरा एवं लोक संस्कृति को संरक्षित किया जाना आवश्यक है. दीक्षांत समारोह में आमंत्रण पत्र में हिंदी भाषा में प्रयोग होना चाहिए तथा वेशभूषा भारतीय होनी चाहिए. उन्होंने बताया कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय बुंदेलखण्ड क्षेत्र में स्थित है जिसमें 25 राज्यों के छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं. छात्रों की अपनी स्थानीय वेशभूषा अलग-अलग हो सकती है लेकिन विश्वविद्यालय बुंदेलखंड की क्षेत्रीय एवं लोक संस्कृति एवं परंपरा के अनुसार सम्पूर्ण दीक्षांत समारोह बुन्देली वेशभूषा के साथ ही आयोजित करता है. लोक परम्पराएं इस तरह के क्रियाकलापों एवं गतिविधियों से भी संरक्षित होगीं.

NAAC A+ Accredited University

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

सामुदायिक संपर्क एवं जन जागरूकता अभियान

डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय, सागर एवं जिला प्रशासन सागर के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रत्येक वर्ष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. विद्यार्थी मतदान के अधिकार और मतदान के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता अभियान में सम्मिलित होते हैं. विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 'विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र' जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं. इस अभियान के तहत स्वयं नशा न करने और परिवार में नशा न आने देने पर आधारित शपथ कार्यक्रम भी सम्मिलित हैं. इसी अभियान के तहत नशे के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान, नशे के खिलाफ पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है. अभियान के तहत न केवल विश्वविद्यालय परिसर बल्कि आस-पास के गाँवों में भी जागरूकता रैली निकालकर विद्यार्थी जन जागरूकता अभियान में सम्मिलित होते हैं और लोगों को नशे से दूर रहने की अपील में सहभागी बनते हैं.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

जेंडर संवेदनशीलता को प्रोत्साहन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शिक्षा विभाग तत्त्वावधान में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नई चेतना 3.0 कार्यक्रम के तहत जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता अभियान का समापन कार्यक्रम विवि के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. विश्वविद्यालय में जेंडर संवेदनशीलता हेतु कई अन्य कार्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं. जेंडर फ्रेंडली कैम्पस के निर्माण में विश्वविद्यालय तत्परता से कार्य करते हुए सभी जेंडर के लिए समता और समानता का वातावरण निर्मित कर रहा है. विश्वविद्यालय में जेंडर संवेदनशीलता को लेकर पोस्टर निर्माण, नुक्कत नाटक, रैली, शिविर, जन-जागरूकता अभियान, प्रदर्शनी इत्यादि गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

स्वास्थ्य शिविर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में स्वच्छ परिसर एवं स्वस्थ परिसर की मुहिम के साथ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन लगातार किया जाता है. विश्वविद्यालय सामुदायिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए स्वास्थ्य केंद्र से माध्यम से प्रीवेंटिव स्क्रीनिंग शिविर लगातार आयोजित कर रहा है. विश्वविद्यालय में कार्यरत सफाई मित्रों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना, मिशन इंद्रधनुष आदि की जानकारी देते हुए hba1c, रक्त शर्करा, लिपिड प्रोफाइल, बीएमआई आदि की जांच, हृदय रोग, संक्रामक रोग आदि का परीक्षण और परामर्श दिया जाता है. इसी क्रम में महिलाओं के लिए कैंसर जागरूकता का विशेष शिविर भी आयोजित किया गया. जागरूकता हेतु टैली मानस जैसे ऐप के उपयोग की भी सलाह दी जाती है. यह समस्त आयोजन स्वस्थ भारत-समृद्ध भारत की संकल्पना पर केंद्रित हैं.

NAAC A+ Accredited University

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

स्वच्छता ही सेवा- परिसर स्वच्छता अभियान एवं सामुदायिक भागीदारी

विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने प्रतिवर्ष कम से कम 100 घंटे स्वच्छता गतिविधि में भाग लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समस्त सफाई कर्मियों को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा सुरक्षा किट का वितरण किया गया. इस क्रम में विश्वविद्यालय के एनसीसी-एनएसएस वालंटियर्स, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने परेड मंदिर में श्रमदान किया गया. स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया.

उत्कृष्ट गतिविधियाँ एवं नवाचार

रैगिंग रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष भारत सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में एंटी रैगिंग सप्ताह आयोजित किया जाता है. इसके तहत व्याख्यान, नाटक, प्रहसन, मूक अभिनय एवं अन्य साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता अभियान संचालित किया जाता है ताकि विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग मुक्त वातावरण बन सके.

NAAC A+ Accredited University

समाचारों में विश्वविद्यालय

वीथिका
नई शिक्षा प्रणाली और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना
प्रो. नीलिमा गुप्ता

दृष्टिकोण
ज्ञान, कौशल और आत्मनिर्भरता का संकल्प
प्रो. नीलिमा गुप्ता

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

शिक्षा की दशा और दिशा
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

लोकमत समाचार
शिक्षा से ही निकलेगी आत्मनिर्भर भारत की राह
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

अकादमिक श्रेष्ठता हो उद्देश्य
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
प्रो. नीलिमा गुप्ता

अम्बेडकर जयंती पर विशेष
न्यायोचित परिवर्तन के अपराजेय नायक थे अम्बेडकर
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

World Environment Day : Towards Creating One Earth

चिंतन
'समग्र विकास की शैक्षिक रणनीति'

लोकमत समाचार
मूल्य आधारित शिक्षा आज के समय की जरूरत
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Chhatrapati Sambhajinagar Main
Page No. 6 Aug 11, 2023

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

समाचारों में विश्वविद्यालय

मातृ दिवस

जन्म और पुनर्जन्म की अविरल गाथा है मां

प्रो. नीलिमा गुप्ता

सभ्यता-एकता-परंपरा का प्रतीक हमारा भारत

प्रो. नीलिमा गुप्ता

आयाम

सुबह सवेरे

10 Jan 2025 - Page 5

ज्ञान-महाकुंभ

प्रो. नीलिमा गुप्ता

शिक्षा, संस्कृति एवं भारत बोध के समागम की पहल

'ज्ञान महाकुंभ' के माध्यम से भारतीय परंपरा को शिक्षा जगत में समाहित करने का एक अनूठा प्रयास प्रख्यात शैक्षिक संगठन 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' द्वारा किया जा रहा है। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा को आधार बनाकर भारतीय शिक्षा की पुनर्स्थापना हेतु 'ज्ञान महाकुंभ' का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया जा रहा है। इस महाकुंभ की संकल्पना है कि भारत केन्द्रित शिक्षा का एक अभियान चलाकर, सामूहिक रूप से भारत केन्द्रित शिक्षा की पुनर्स्थापना में सफल हो।

ज्ञान महाकुंभ
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

शैक्षणिक संस्थान पुरा छात्रों और शिक्षकों के सहयोग से अपना शोध बढ़ा सकते हैं : कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

विवि में प्रवेशित विद्यार्थियों में 44% छात्राएं, गोल्ड मेडलिस्ट 62.5%, फैकल्टी में महिलाओं की सहभागिता 36%

प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विवि

व्यवस्था • यूजीसी के निर्देश पर समिति का गठन कर कुलपति ने ली पहली बैठक, कई निर्देश दिए गए

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन लर्निंग रिसोर्स सेंटर स्थापित

भास्कर संवाददाता | सागर

फार्माकोलाजी रिसर्च में डा. हरीसिंह गौर विवि सागर देश के टाप 10 में शामिल

एडु रैंक संस्था ने 183 देशों की शैक्षणिक संस्थाओं की 2024 की रैंकिंग सूची की जारी

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विभिन्न अध्ययन क्षेत्रों में अग्रणी रैंकिंग मिली है। एडु रैंक संस्था द्वारा देश भर के शैक्षणिक संस्थाओं की वर्ष 2024 की रैंकिंग जारी की गई है। एडु रैंक एक स्वतंत्र संस्था है जो 183 देशों की शैक्षणिक संस्थाओं की रैंकिंग को जारी करती है। विवि की शैक्षणिक गुणवत्ता में बेहतर सुधार होने से कई सालों बाद यह उपलब्धि मिली है।

जानकारी के अनुसार इस रैंकिंग में विश्वविद्यालय का रिसर्च पब्लिकेशन और साइटेशन के आधार पर रिसर्च आउटपुट, प्रशासनिक प्रतिष्ठा एवं ख्यातिनाम एलुमनाई के प्रभाव जैसे मानकों को शामिल किया गया है। इस रैंकिंग में विवि में हो रहे शोध एवं अनुसंधान के 78 विषयों को शामिल किया गया है, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक टाप स्कोर मिला है। हालांकि भारत सरकार की एनआइआरएफ की रैंकिंग अलग से जारी की जाती है, जिसमें विवि को अलग से ग्रेड जारी की जाती है।

बेहतर शोध कार्यों की वजह से बढ़ा विवि का कद एडु रैंक संस्था द्वारा अलग-अलग अध्ययन

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर का फाइल फोटो। • नवदुनिया

मजदूर के श्रम से ही संभव है राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता : कुलपति

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में अभिमंच सभागार में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. पी. एस. कामले ने दिया. आयोजन सचिव डॉ. वीरेंद्र मटसेनिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें देश के आर्थिक विकास के लिए मजदूरों की जितनी हो सके सराहना करनी चाहिए तभी हम भारत जैसे विशाल देश की आधारभूत संरचना में मजदूरों के योगदान को समझ पाएंगे। आज हमें उनकी प्रासंगिकता को याद कर उनके लिए विशेष कार्य करने की आवश्यकता है तभी वे अपना खुशहाल जीवन जी सकेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में आज हम जिस अभिमंच सभागार में कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं उसकी नींव भी मजदूरों द्वारा ही रखी गई है। हम इस दिवस को मेहनतकश मजदूरों के योगदान के रूप में मना रहे हैं। हम मजदूरों के योगदान को देखते हुए उन्हें मजदूर और मजबूर नहीं कह सकते क्योंकि उनका राष्ट्र निर्माण में बहुत ही अभिन्न योगदान है। देश और दुनिया में जितना भी आधारभूत संरचनाओं का विकास हुआ है उसमें मजदूरों का ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है. किसी भी श्रेष्ठ राष्ट्र के सौन्दर्य की नींव में मजदूरों का श्रम ही है. देश के विकास की नींव मजदूरों के कंधों पर ही टिकी है. इसलिए मजदूरों के कल्याण हेतु हम सबको संयुक्त रूप से प्रयास करना होगा तभी हम उनके योगदान की सार्थकता को प्रमाणित करने में सफल हो सकेंगे। मजदूर का श्रम ही राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता का आधार है।

समाचारों में विश्वविद्यालय

देश का पहला केंद्र: कोर्स करने के बाद शिक्षक और प्रोफेसर के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में ...

विवि के वैदिक विभाग में भा... संस्कृति, ज्ञान और अखंडता को ...

एक्सक्लूसिव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

क्या होगा वैदिक अध्ययन विभाग में

भारतीय गणित, भारतीय विज्ञान, आयुर्वेद, श्रीमद् भगवद् गीता में आत्म-प्रबंधन, उपनिषदों में निहित ज्ञान, चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास से युक्त भारतीय शिक्षण पद्धति, भारतीय दर्शन की वैज्ञानिकता, वैदिक गणित, महर्षि पतंजलि प्रणीत योग जैसे अनेक विषयों का समावेश इन पाठ्यक्रमों में समुचित रूप से किया गया है।

आयोजन — विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन

अद्भुत प्रतिभा एवं विशिष्ट क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग : कुलपति

विवि ने सबसे पहले किया एसडीजी प्रकोष्ठ का गठन

देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छठी रैंक, आल इण्डिया में टॉप 30 में शामिल

मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज एंड रिसर्च में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय वेस्ट जोन में शीर्ष तीन में

वृक्षों से मां जैसा स्नेह करें और उनकी सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखें: कुलपति

कुलपति प्रो. गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. आरएन यादव ने पौधारोपण किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि सभी विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विवि परिवार के सभी सदस्य एक वृक्ष अपनी मां के नाम अवश्य लगायें और साथ ही उन वृक्षों से मां जैसा स्नेह करें और उनकी सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखें। पर्यावरण सुरक्षा हम सभी का दायित्व है और यह तभी संभव है जब हम वृक्षों का संरक्षण करेंगे। यदि हम उनकी रक्षा करेंगे तभी हम सबका अस्तित्व बना रहेगा। हमारा विश्वविद्यालय परिसर हरियाली में समृद्ध है लेकिन हम सब मिलकर इसे और अधिक हरा भरा और प्रदूषण रहित बनायें।

विद्यार्थी मनुष्यता की राह चुनें, बेहतर इंसान बनें और देश की सेवा करें : कुलपति

एनसीसी से मिला सम्मान डॉ. सर हरीसिंह गौर के आशीर्वाद का प्रतीक है : कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता कर्नल रैंक एवं कर्नल कमांडेंट पद से हुई विभूषित

जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय भाषा- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज के पाठ्यक्रमों में अग्निवीरों का प्रवेश एवं कक्षाएं आरंभ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

समाचारों में विश्वविद्यालय

दैनिक परिहार गर्जना | सागर/बीना न्यूज | (3)

फार्मास्युटिकल साइंस के नए क्षेत्रों में शोध के लिए नाईपर अहमदाबाद से अकादमिक साझेदारी महत्वपूर्ण कदम - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय और नाईपर अहमदाबाद के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नदी कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, प्रो. एसआर बसु मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित

नदियों पर किए गए उनके शोध व अध्ययन के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया

नदी, कुआं, नल के बाद हम आज बोतल बंद पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं, यह परिवर्तन कई गहरे संकेत करता है: कुलपति

धूमधाम से मनाई 155वीं जयंती, कुलपति ने कहा- भारत रत्न दिलाने करने होंगे समन्वित प्रयास

मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

दैनिक जनचिंगारी | सागर/आस पास

विविधता में एकता की अद्भुत मिसाल है डॉ. गौर विश्वविद्यालय: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

भारतीय भाषा उत्सव-विभिन्न भाषाओं में रचनात्मक प्रस्तुतियों से दिया अनेकता में एकता का संदेश

दैनिक जनचिंगारी | सागर/आस पास

अग्निवीरों के शैक्षणिक उन्नयन की दिशा में विश्वविद्यालय तत्परता से कार्य कर रहा है: कुलपति

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर भारतीय सेना के अग्निवीरों को रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करने की दिशा में तत्परता से कार्य कर रहा है. विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज में संचालित 491 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिनकी परीक्षा संपन्न कराकर परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। सर्टिफिकेट कोर्स इन प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 320 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिनमें से 306 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण कर उत्तीर्ण हुए हैं. सर्टिफिकेट कोर्स इन इंटरप्रेन्योरशिप में 171 अग्निवीरों ने प्रवेश लिया था जिसमें 166 अग्निवीरों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण किया है. दोनों पाठ्यक्रमों को मिलाकर

परीक्षा परिणाम 96.13 प्रतिशत रहा. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा भारतीय सेना के महार रेजीमेंट के अधिकारियों मेजर संदीप और लेफ्टिनेंट कर्नल जी. एस. पाटिल को परीक्षा परिणाम और उनकी अंकसूची सौंपी गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना की एक इकाई के रूप में महार रेजीमेंट जहां बहादुर एवं कुशल सैनिक तैयार कर रही है वहीं एक विश्वविद्यालय के रूप में हम अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए उन्हें शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं तकनीकी दक्षता के साथ डिग्री प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं ताकि भारतीय सेना के जवान सेवाकालीन समय में भी अपनी शिक्षा जारी रख सकें. कम्युनिटी कॉलेज अग्निवीरों के लिए उपयोगी नए पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है. इसकी अगली कड़ी में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी जवानों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है. इसके माध्यम से अग्निवीरों को बेहतर भविष्य के लिये अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भास्कर खास - फिल्म को दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवार्ड भी मिल चुका है

बुंदेली लोक वाद्ययंत्र पर बनी डॉक्यूमेंट्री को 19वां अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

NAAC A+
Accredited University

समाचारों में विश्वविद्यालय

ऐतिहासिक उपलब्धि | डॉ. हरीसिंह गौर विवि में वर्ष 2024 में हुए नवाचार, एआइ की पढ़ाई से गढ़ रहे छात्रों का भविष्य

देश के 40 टॉप संस्थानों में शामिल हुआ विश्वविद्यालय

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

विश्वविद्यालय : पर्यावरण संतुलन के लिए जैव विविधता आवश्यक: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सांस्कृतिक समन्वय और आध्यात्मिक चेतना का पर्व है मकर संक्रांति : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ मिलन समारोह

गौर प्रांगण में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए शिक्षा का उपयोग करें विद्यार्थी: कुलपति

गौर भवन में भी हुआ ध्वजारोहण, एनसीसी कैडेट्स ने दी सलामी

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति गीत

आयोजन | विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर हुआ कार्यक्रम, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा

'गौरैया की सुरक्षा एवं संरक्षण में विवि की पहल मिसाल है'

हमारे संस्कारों में है पक्षियों को दाना-पानी देना

गौरैया संरक्षण की दिशा में आगे भी होंगे प्रयास

बिना किसी भेदभाव मतदान की स्वतंत्रता लोकतंत्र को विशिष्ट बनाती हैः कुलपति

...के पहले दिन रैली एवं नुक्कड़ नाटक हुआ

...विवि में मतदाता जागरूकता अभियान में निकली रैली में शामिल हुए ...को ट्राइसाइकिल पर बैठाकर कमिश्नर एवं कुलपति साथ चले।

...लिए मतदाता जागरूकता ...में सहभागी बनकर अनूठा ...रहे हैं। कुलपति गुप्ता ने कहा ...ीय संविधान के अनुच्छेद ...द्वारा भारतीय नागरिकों को ...करने का अधिकार दिया ...जो लोकतंत्र के लिए सबसे ...है। बिना किसी भेदभाव ...दान करने की स्वतंत्रता ...लोकतंत्र को विशिष्ट बनाती ...ा स्वीप नोडल अधिकारी पीसी शर्मा ने कहा कि वर्ष 2011 के पश्चात स्वीप गतिविधियों के कुशल संचालन नें मतदान प्रतिशत में आशातीत वृद्धि की है। कार्यक्रम में सहायक नोडल अधिकारी डॉ. अमर कुमार जैन, डीएसडब्ल्यू प्रो. एडी शर्मा, एनएसएस अधिकारी डॉ. संजय शर्मा, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. विवेक जायसवाल, समर्थ दीक्षित आदि मौजूद थे।

डॉ. अंबेडकर के विचार और दर्शन के बिना विकसित भारत की परिकल्पना साकार नहीं होगीः कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की मौजूदगी में विवि में डॉ. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम हुआ।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा डॉ. अंबेडकर एक ऐसी किताब हैं जिनके पन्ने कभी खत्म नहीं होते। उनके व्यक्तित्व के अनगिनत पहलू हैं। किसी भी पहलू पर बात करें तो समय कम पड़ जाए। वे एक महामानव थे।

एक अपराजेय नायक थे। स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के पैरोकार डॉ अंबेडकर संवैधानिक लोकतंत्र की स्थापना के शिल्पकार थे। शिक्षा, समाज, स्त्री, अर्थशास्त्र, पत्रकारिता, राजनीति और नागरिक समाज से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर उनकी अपनी एक अलग दृष्टि थी। वही दृष्टि आज के विकसित भारत की परिकल्पना में महती भूमिका निभा रही है। डॉ. अंबेडकर के विचार और दर्शन के बिना विकसित भारत की परिकल्पना नहीं साकार होगी। वे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण और सशक्तिकरण की बात करते थे। यही आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत और विश्वगुरु भारत की परिकल्पना का मूल लक्ष्य है। उन्होंने विवि के डॉ. अंबेडकर चेयर के तहत किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में डॉ. अम्बेडकर चेयर के अतिरिक्त समाज के कमज़ोर तबकों के विद्यार्थियों के लिए निशुल्क कोचिंग भी संचालित है। इसके अलावा जल्दी ही विश्वविद्यालय में डॉ. अम्बेडकर को समर्पित एक विशाल अध्ययन केंद्र भवन के रूप में आकर लेगा जो प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद निर्मित होना आरंभ हो जाएगा। मुख्य वक्ता इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के सचिव प्रो रवींद्र ब्राम्हे ने कहा डॉ. अंबेडकर कहते थे कि कृषि के विकास के लिए औद्योगिकीकरण आवश्यक है। वे चाहते थे कि आर्थिक और सामाजिक विकास सबका होना चाहिए। शिक्षा राजनीति, आर्थिक, सामाजिक विकास के माध्यम से सबका कल्याण होना चाहिए। भारत की जनसंख्या अधिक है इसलिए इस जनसंख्या को श्रम शक्ति के रूप में देखना चाहिए और इसका सही उपयोग करना चाहिए। 2047 में हम विश्व की सबसे बड़ी श्रम शक्ति होंगे वही हमारे आर्थिक विकास पर विकसित भारत का मार्ग बनाएगी। महिलाओं के आर्थिक रूप से सबलता के लिए कृषि क्षेत्र का भी औद्योगिकीकरण अति आवश्यक है।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

NAAC A+ Accredited University

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)